आर्थिक मंच में दिखेगी औद्योगिक विकास और संस्कृति की झलक

- दावोस में पहली बार स्थापित किया जाएगा उप्र पवेलियन
- औद्योगिक विकास मंत्री नन्दी ने की तैयारियों की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : दावोस (स्विट्जरलैंड) में 14 से 20 जनवरी तक आयोजित होने जा रहे विश्व आर्थिक मंच की बैठक में उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास और संस्कृति की झलक दिखेगी। यह पहला अवसर होगा जब दुनिया में निवेशकों के सबसे प्रतिष्ठित समागम में उत्तर प्रदेश का पैवेलियन भी स्थापित होगा। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' ने विश्व आर्थिक मंच में उप्र की सशक्त भागीदारी की तैयारियों की शुक्रवार को पिकप भवन सभागार में समीक्षा की।

बैठक में नन्दी ने कहा कि दावोस में पहली बार उप्र पैवेलियन प्रदर्शित किया जा रहा है, जिससे पूरी दुनिया के लोग प्रदेश के औद्योगिक विकास और संस्कृति की झलक से रूबरू हो सकेंगे। दुनिया भर के निवेशकों को देश का ग्रोथ इंजन बन चुके उप्र के इस पवेलियन के माध्यम से सूबे में निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा। हमारा उद्देश्य दुनिया भर के बड़े निवेशकों के सामने उप्र को एक आकर्षक निवेश स्थल के रूप में प्रस्तुत करना है। उप्र को वर्ष 2027 तक एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य हासिल करने के लिए विश्व आर्थिक मंच एक एवं उपयुक्त स्थान साबित होगा। बैठक में नन्दी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य सरकार के पैवेलियन में उप्र के कारोबारी माहौल और संस्कृति दोनों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए। उप्र में औद्योगिक विकास और कारोबारी सहूलियतों के लिए लागू की गई नीतियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाए। पैवेलियन में एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना का सुंदर ढंग से प्रस्तुतीकरण किया जाए ताकि पैवेलियन में आने वाले लोगों को सुखद अनुभूति हो और प्रदेश की अच्छी छवि बने।गौरतलब है कि विश्व आर्थिक मंच में शिरकत करने वाले उप्र सरकार के प्रतिनिधिमंडल में औद्योगिक विकास मंत्री के साथ ही वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह और मुख्यमंत्री के सचिव अमित सिंह शामिल हैं। उप्र सरकार का प्रतिनिधिमंडल 14 जनवरी को दावोस पहुंचेगा।